डा. अखिलेश दास: एक नजर

पुरस्कार ग्रहण करते हुए
अखिलेशदास साथ में अरुण कक्कण

डा. अखिलेश दास का नाम देश की बड़ी हस्तियों में शुमार होता है। उनके पिता बाबू बनारसी दास गुप्ता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं लेकिन उनके स्वाभाव से कहीं भी नहीं झलकता कि उनका जन्म इतने बड़े परिवार में हुआ। दुनिया उन्हें एक शिक्षाविद्, प्रोफेशनल, उद्योगपति, पब्लिशर, बिल्डर आदि के रूप में देखती है। पर इन सबसे बड़ा उनका एक दूसरा रूप एक शानदार खिलाड़ी का भी है।

बहुमुखी प्रतिभा वाले डा. अखिलेश खुद बैडमिंटन के एक उम्दा खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरी है। सत्तर व अस्सी के दशक में वह बैडमिंटन के बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। सिंगल्स और डबल्स खिलाड़ी के रूप में उन्होंने अपना खूब जलवा बिखेरा। वह 1977 से लेकर 83 तक डबल्स के जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन रहे हैं। महान खिलाड़ी सैयद मोदी के साथ भी वह डबल के पार्टनर रहे हैं। सैयद मोदी जिस टीम में रहे अखिलेश दास उसके कैप्टन भी थे।

पचपन वर्षीय डा. अखिलेश दास की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 1993 में वह लखनऊ के मेयर चुने गए। दो बार राज्यसभा सदस्य रहे। कांग्रेस की सरकार में वह केंद्रीय इस्पात मंत्री भी बने। तमाम सरकारी और गैरसरकारी समितियों के सदस्य व अध्यक्ष रहे। तमाम समितियों के सदस्य अभी भी हैं। यही नहीं, देश भर में कई क्लबों के सदस्य व पदाधिकारी भी हैं। बैडमिंटन खेल से जुड़ाव होने के कारण वह उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष बने। फिर बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इण्डिया के अध्यक्ष बने। वह उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के भी अध्यक्ष हैं।

यूपी टीम

दाएं से अरुण कक्कण, सैयद मोदी, पुनीता भूषण, विनय कपूर, अखिलेश दास और आबिद हैदर

- 1973 में पहली दफा जिला स्तरीय आरएन खन्ना प्रतियोगिता में भाग लिया, चैंपियन भी बने। इससे उन्हें आगे बैडमिंटन खेलने की प्रेरणा मिली।
- लखनऊ क्लब में खेलना शुरू किया। बाढ़ के दो साल बाद 1974 में नवनिर्मित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में ट्रेनिंग शुरू की।
- लंदन जाकर खेल की ट्रेनिंग भी ली।
- जूनियर नेशनल में टीम इवेंट व डबल्स के खिताब जीते ।
- स्कूल नेशनल गेम्स के चैंपियन रहे।
- जूनियर व सीनियर में उत्तर प्रदेश के कई बार सिंगल व डबल्स चैंपियन रहे।
- आठ बार उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।
- चार साल उत्तर प्रदेश के कप्तान रहे। सैयद मोदी भी उनकी कप्तानी में खेले।
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय व लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से कई बार आल इण्डिया यूनीवर्सिटी खेली और टीम के कप्तान भी रहे।